(जनवरी–जून 2021 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, चतुर्थ सेमेस्टर

MHL-E415

विशेष अध्ययन – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

पूर्णांक 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट – 6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम (इकाई–1, 2 से व्याख्या)

इकाई – 1 काव्य – प्रेम मालिका, प्रेम सरोवर, प्रेम माधुरी, प्रेम प्रलाप।
नाटक – भारत दुर्दशा, अंधेर नगरी।

इकाई – 2 निबन्ध – (1) भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है, (2) वैष्णवता और भारतवर्ष, (3) स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन, (4) कंकड़ स्तोत्र, (5) लेवी प्राण लेबी।
यात्रा वृत्त – हरिद्वार, लखनऊ, जबलपुर, सरयूयार, वैद्यनाथ की यात्रा।

इकाई – 3 भारतेन्दु की काव्य चेतना, भारतेन्दु के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य, भारतेन्दु का कृष्ण भक्ति काव्य। भारतेन्दु की काव्यगत विशेषताएँ।
भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, भारतेन्दु के नाटकों में युग बोध, भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन, भारतेन्दु की नाट्य–भाषा।

इकाई – 4 भारतेन्दु की निबन्ध–कला, भारतेन्दु के निबन्धों की विशेषताएँ, भारतेन्दु का यात्रा साहित्य, भारतेन्दु के यात्रा साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई – 5 हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु, भारतेन्दु की राष्ट्रीय भावना, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की पत्रकारिता, भारतेन्दु की भाषा–चेतना।

संदर्भ ग्रंथ

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – डॉ० राम विलास शर्मा
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा – डॉ० राम विलास शर्मा
3. भारतेन्दु के निबन्ध – डॉ० केशरी नारायण शुक्ल
4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – डॉ० लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
5. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य – डॉ० वीरेन्द्र कुमार शुक्ल
6. भारतेन्दु के नाटक – डॉ० भानुदेव शुक्ल
7. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अनुशीलन – डॉ० गोपीनाथ तिवारी
8. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और भारतीय नवजागरण – सम्पा० डॉ० त्रिभुवन सिंह